

असाधार्ण EXTRAORDINARY

भाग ¹¹—इव्य 3—उप-स्वर (ⁱⁱ) PARI II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

No. 267] No. 267] नई विल्ली, गुक्तबार, मई 3, 1991/वैशाख 13, 1913 NEW DELHI, FRIDAY, MAY 3, 1991/VAISAKHA 13, 1913

इस भाग में भिक्स पृष्ठ संख्या की जाती ही जिससे कि यह अलग संकार न के रूप में रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

गृष्ट् मस्रालय

प्रधिसूचना

नई विल्ली, 30 मप्रैल, 1991

का. मा. 307 (घ): —राष्ट्रपति, पूर्वोत्तर परिषद घिषिमियम, 1971 (1971 का 84) की घारा 3 की उपधारा (3) द्वारा उन्हें प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एतद्वारा घारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (क) के प्रयोग, प्रवणाचन प्रदेश राज्य के राज्यपाल की, जो पूर्वोत्तर परिषय के सबस्य हैं, धगले धावेशों सक, उक्त परिषय का घष्यदा नामित करते हैं।

[सं. 1/26/89-एन ई-]]] विनय शंकर, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS NOTIFICATION

New Delhi, the 30th April, 1991

S.O. 307 (E).—In exercise of the powers conferred on him by sub-section (3) of Section 3, of the North Eastern Council Act, 1971 (84 of 1971), the President hereby nominates the Governor of the State of Arunachal Pradesh, a member of the North Eastern Council under clause (a) of sub-Section (1) of Section 3, to be the Chairman of the said Council till further orders.

[No. 1|26|89-NE,II]

VINAY SHANKAR. Jt. Secy.